विशिष्ठ कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

कार्यकर्ता में सहनशक्ति का विकास आवश्यक – युवाचार्य महाप्रज्ञ

मोमासर 9 अप्रेल : युवाचार्य महाश्रमण ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की ओर से आयोजित विशिष्ट कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रताओं में सहनशक्ति का विकास होना आवश्यक है । सम्मान मिले या न मिले । कार्यस्थल पर सोने के लिए पल्यंक मिले या धरती पर सोना पडें, इन सब अनुकुल प्रतिकुल परिस्थितियों में जो समता भाव रखता है और सहन करता है वहकार्य करने की क्षमता को निखार सकता है । उन्होने प्रशिक्षण कार्यशाला की उपयोगिता को परिभाषित करते हुए कहा कि कार्य करने की क्षमता को जागृत करने के लिए प्रशिक्षण जरूरी है । प्रशिक्षण से आदमी उपयोगी बन जाता है और कार्यकारी बन जाता है । उन्होने आध्यात्म के क्षेत्र में भी प्रशिक्षण का आवश्यक बताया ।

युवाचार्य प्रवर ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल को कार्यकारी संस्था बताते हुए कहा कि तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन का ज्ञान कराने के साथ ज्ञानशाला के संचालन में महिलाओं का बडा योग है । आध्यात्मिक गतिविधियों के साथ सेवा, शिक्षा, चिकित्सा आदि सामाजिक कार्यों में भी योग देती है । उन्होने कहा कि कार्यकर्ताओं के द्वारा अन्तरमन से दूसरों की सेवा करने पर जो संतोष होता है उससे सात्विक सुख की अनुभूति होती है । युवाचार्य प्रवर ने गीता के 18वें अध्याय में प्रस्तुत सुख के प्रकारों की चर्चा करते हुए कहा कि सुख सात्विक, राजसिक और तामसिक तीन प्रकार का होता है । सात्विक सुख उच्च कोटि का एवं परम पवित्र होता है । जो परिणामदर्शी होता है वह सात्विक सुख को प्राप्त कर सकता है । उन्होने कहा कि पदार्थ से जो सुख का अहसास होता है वह सात्विक सुख नही है । जो आत्मा से प्राप्त होता है वह सात्विक सुख होता है ।

युवाचार्य महाश्रमण ने आचार्य महाप्रज्ञ की पुस्तक भीतर की और की चर्चा करते हुए कहा कि जो भीतर में जाता है वह सात्विक सुख की अनुभूति करता है । समारोह में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कनक बरमेचा ने कार्यशाला में चले प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताया । उन्होने कार्यक्रताओं के द्वारा संघ प्रभावना में अपने आपको नियोजित करने के लिए गृहण किए संकल्प की जानकारी दी । महामंत्री बीणा बैद ने मिले सबके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया । मोमासर की पुत्री अंकिता संचेती ने अपने विचार प्रकट किए । स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल की सदस्याओं ने इस अवसर पर गीत की प्रस्तुति दी । संचालन अशोक संचेती ने किया

महिला मण्डल के प्रशिक्षण कार्यशाला का अंतिम सत्र राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित हुआ । इस सत्र में मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं प्रधान ट्रस्टी सुशीला पटावरी के द्वारा रिर्पोट प्रस्तुत की गई । इस सत्र को संबोधित करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ ने कार्यशाला में प्रशिक्षण सूत्रों को संजोकर रखने की प्रेरणा दी । उन्होने इस प्रशिक्षण कार्यशाला को सम्पूर्ण भारत में लगने वाली इस तरह की कार्यशालाओं का आधार बनाने का इंगित किया ।